ये अव्यक्त इशारे

जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करने के लिए बन्धनों से मुक्त बनो

28-12-2023

बन्धन-मुक्त आत्मा जब चाहे शरीर का आधार ले और जब चाहे शरीर का भान छोड़ अशरीरी बन जाये, इसके लिए अपने संस्कारों में भी इज़ीपन हो। सर्विस प्रति यह शरीर रूपी वस्त्र का आधार लो और सर्विस समाप्त होते ही इन वस्त्रों के बोझ से हल्के और न्यारे हो जाओ।

In order to experience the stage of liberation-in-life become free from bondage.

A soul who is free from bondage can take the support of the body and shed the consciousness of the body and become bodiless when it wants. For this, let there be easiness in your sanskars. Take the support of the garment of the body and as soon as that service is finished, become light from the burden of the garments and become detached.